हरिभूमि भिवानी-दादरी भूमि

रोहतक, रविवार, 14 जुलाई 2024

9 पुरुष और महिला शौचालय की सफाई...

10 पालूवास में पीने के पानी को लेकर मचा हाहाकार...

BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

(Unique Blend of Science and Spirituality)

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING
B.Tech.-Computer Science and Engg.
-AIML
-Data Science
-Cyber Security
-IOT & Blockchain
-Comp. Animation & Gaming
B.Tech.-Civil Engg.
-Transportation Engg.
-Structural Engg.
B.Tech. (Mechanical Engg.)
B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
M.Tech. (Computer Science and Engg.)
M.Tech. (Civil Engg.)
-Transportation Engg.
-Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES
B.A. (Bachelor of Arts)
B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
B.A. J.M.C.
B.A. J.M.C.- Hons. with Research
B.Lib. & Info. Science
Shastri
M.A.-Hindi
M.A.-English
M.A.-History
M.A.-Pol. Sc.
M.A.-Economics
M.A.-Education
M.A.-Sociology
M.A.-Pub. Admin.
M.A.-Geography
M.A.-J.M.C.
M.A.-Sanskrit
M. Lib. & Info. Science
DIPLOMA
-Leadership & Management
-Guidance & Counselling
-Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY
D. Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm.-(Pharmaceutics)
M.Pharm.-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA
BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY
BPT (Bachelor of Physiotherapy)
B.Sc.-Medical Lab Technology
B.Sc.-Ophthalmic Technology
MPT-Sports
MPT-Neurology
MPT-Orthopaedics
MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES
B.Sc.-(Hons.) Agriculture
B.Sc.-Mathematics
B.Sc.-Hons. in Mathematics
B.Sc.-Physics
B.Sc.-Hons. in Physics
B.Sc.-Chemistry
B.Sc.-Hons. in Chemistry
B.Sc.-Bio-Technology
B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
B.Sc.-Home Science
B.Sc.-Hons. in Home Science
B.Sc.-Physical Sciences
B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
B.Sc.-Life Sciences
B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
M.Sc.-Physics
M.Sc.-Chemistry
M.Sc.-Botany
M.Sc.-Zoology
M.Sc.-Bio-Technology
M.Sc.-Mathematics
M.Sc.-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.
BBA
-Digital Marketing & Sales
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
-Hons. With Research
MBA
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
B.Com
-General
-Professional-CA Stream
-Professional-CS Stream
-Hons. With Research
M.Com.
BCA
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation
MCA
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-
- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

FACULTY OF LAW
B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
LL.B. - (3 Years)
LL.M. - (2 Years)

FACULTY OF NURSING
***ANM** - (2 Years)
***GNM** - (3 Years)
Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU
✓ Unique Blend of Science and Spirituality
✓ Quality Education at Affordable Fee
✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
✓ Skill Development Programmes
✓ Research Projects in UG and PG Programs
✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
✓ Indian Knowledge System Courses
✓ Office of International Student Affairs
✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
✓ Training and Placement Facilities
✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES
» Wi-fi Campus
» 24x7 Electricity
» Well stocked Libraries
» Well equipped Laboratories
» Separate Hostel for Boys/Girls
» Air-Conditioned Auditorium
» NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
» Hospitals having modern Equipments
» CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS | sona | CAPARO FASTENERS | HNG | TATA CONSULTANCY SERVICES | SURYA | भारतीय सेना | Infosys | HCL | MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

खबर संक्षेप

प्रदेश में महंगाई ने सारे रिकॉर्ड तोड़ेः धनखड़

चरखी दादरी। देश एवं प्रदेश में महंगाई ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जिसकी मार आम आदमी पर पड़ रही है। सरकार हाथ पर हाथ रखकर केवल बयानबाजी में लगी हुई है। महंगाई के कारण गरीब और अमीर के बीच की खाई और भी गहरी हो जाती है। बढ़ती महंगाई के कारण समाज में रिश्वत भ्रष्टाचार, चोरी, कालाबाजारी लगातार बढ़ रहा है।

कार्यक्रम के ऑडिशन के लिए आवेदन 15 तक

भिवानी। अतिरिक्त उपायुक्त हर्षित कुमार ने बताया कि कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित शास्त्रीय नृत्य, कथक तथा भरतनाट्यम पर आधारित 12 दिवसीय कार्यशाला एवं एक दिवसीय कार्यक्रम के लिए ऑडिशन नुपूर के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं।

टूटी सड़क बनीं लोगों के लिए परेशानी

बहल। बहल से झुंपा मैन रोड पर अनाज मंडी के सामने टूटी सड़क में बने गड्ढे लोगों के लिए भारी परेशानी का कारण बने हुए है। गड्ढों की वजह से सड़क मार्ग पर आना जाना दूभर हो रहा है। लोगों ने अनेक बार इसे सुधारने की मांग प्रशासन से रखी है पर सड़क मार्ग की हालत सुधरने की जगह बिगड़ती जा रही है।

पॉलिथीन का प्रयोग बंद करने के लिए निकाली रैली

भिवानी। सेंट जेवियर्स स्कूल के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को विद्यालय प्रांगण में पालिथीन के विरोध में रैली का आयोजन किया। रैली का शुभारंभ स्कूल के प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निर्देशिका कीर्ति चौहान व प्राचार्या कीर्ति आहूजा ने किया। छात्र-छात्राओं ने अखबार से लिफाफे बनाकर उन पर गणित की अलग-अलग आकृतियां बनाई जिसमें त्रिभुजाकार, आपताकार व वर्गाकार आकृतियां शामिल थी।

आनंद स्कूल में लीगल लिट्रेसी कार्यक्रम आयोजित

बवानीखेड़ा। बवानी खेड़ा के अंतर्गत आने वाले गांव मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस के सभागार में लीगल लिट्रेसी क्लब द्वारा तस्करी और वाणज्यिकि यौन शोषण के पीड़तिों पर एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रिंसिपल नितीश मश्रिा ने बच्चों को यौन शोषण एवं वाणज्यिकि तस्करी आदि के बारे में जागरुक किया।

दिल्ली में राष्ट्रीय स्कोच सम्मान समारोह आयोजित

भिवानी। आज दिल्ली में आयोजित हुए ९८वें राष्ट्रीय स्कोच सम्मान समारोह में हरियाणा वद्यिालय शक्षिा बोर्ड को स्कोच ग्रुप के चेयरमैन समीर कोच्चर द्वारा प्रतष्ठिति गोल्ड कैटेगरी के स्कोच अवार्ड से नवाजा गया है। बोर्ड अध्यक्ष डॉ.वी पी यादव ने आज देश की राजधानी दिल्ली में बहुचर्चित संस्थान स्कोच ग्रुप से यह अवार्ड परीक्षाओं में नकल रोकने एवं पारदर्शिता लाने के लिए प्रश्न-पत्रों पर क्यू-आर कोड व अल्फा न्यूमेरिक कोड अंकित करने को लेकर प्राप्त किया है।

एक सितंबर को पंचकुला में मुख्यमंत्री आवास का करेंगे घेराव : धारीवाल

काले कपड़ों में सरकार के खिलाफ निकाला आक्रोश मार्च

प्रदर्शन रोज गार्डन से आरंभ होकर बस स्टैंड, रोहतक चौक, जिला कोर्ट से होकर लाला लाजपत राय चौक पर पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

ओपीएस बहाली के लिए पेंशन बहाली संघर्ष समिति ने अपने प्रयास तेज कर दिए है। आज पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति जिलाध्यक्ष ताराचंद की अगुवाई में रोष प्रदर्शन किया गया। जिला स्तरीय यह प्रदर्शन रोज गार्डन से आरंभ होकर बस स्टैंड, रोहतक चौक, जिला कोर्ट से होकर लाला लाजपत राय चौक पर पहुंचा व कर्मियों ने नारेबाजी के साथ अपने गुस्से का इजहार किया। बतौर मुख्य वक्ता प्रदेश सचिव रिषि नैन व अन्य कर्मी नेताओं ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारी पिछले कई वर्षों से ओपीएस बहाली की मांग कर रहे है, जिसको लेकर पेंशन बहाली संघर्ष समिति प्रदेश में कई बड़े आंदोलन कर चुकी है, जिसके दबाव में हरियाणा सरकार द्वारा 20 फरवरी 2024 को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हाई पॉवर कमेटी का गठन किया था। इसके बावजूद अभी तक सरकार ओपीएस बहाली के लिए कोई फैसला नहीं लिया, जिसको लेकर कर्मचारियों में भारी नाराजगी है, जिसका असर लोकसभा चुनाव में भी देखने को मिला था। कपिल शर्मा व अशोक डीपीई ने कहा कि संघर्ष समिति पिछले सात सालों से प्रदेश सरकार से ओपीएस बहाली की मांग कर रही है। इसके बावजूद भी सरकार तानाशाही रवैया अपनाए हुए है, जिससे प्रदेश के सभी विभागों के कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। जिला प्रधान ताराचंद छल्लिर ने बताया कि लोकसभा चुनाव से पहले संघर्ष समिति जींद में बड़ी रैली कर सरकार को चेता चुकी कि जल्द ओपीएस बहाल करें वरना वोट फॉर ओपीएस की मुहिम चलाई जाएगी, जिसका असर लोकसभा चुनाव में देखने को मिला है।

चरखी दादरी। काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन करते कर्मचारी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विजय, बलराम आर्य, नवीन शर्मा, पिकन देवी, अर्चना, मनीषा, नरेंद्र झोझू, रोशनलाल बौंद, रामबीर चाहार, मास्टर जगबीर, संदीप जेवली, प्रवीन सांगवान, डॉ. मधुसूदन, सुनील जांगडा, सुमित, श्रीनिवास जेई, कश्मीर फौजी, संदीप, अरविंद झोझू, राजेश मकडानी, शिवकुमार शास्त्री, वक्रिमजीत नेहरा, राजेश जांगड़ा आदि शामिल रहे।

मीरा बनी भिवानी तथा कमलेश दादरी जिला प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

दिनोद गेट स्थित चेतराम प्रजापति धर्मशाला में शनिवार को एआईयूटीयूसी से संबंधित मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन का भिवानी व दादरी का जिला स्तरीय सम्मेलन हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता राजबाला ने की। इस दौरान भिवानी व चरखी दादरी जिला की नई जिला कमेटी भी चुनी गई, जिसमें मीरा को भिवानी जिला प्रधान व राजबाला को सचिव तथा कमलेश को दादरी जिला प्रधान व बिमला को सचिव सर्वसम्मति से नियुक्त किया। सम्मेलन के दौरान भिवानी व दादरी की 21-21 सदस्यीय कमेटी का गठन किया। सम्मेलन के दौरान एआईयूटीयूसी के जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया ने सांगठनिक रिपोर्ट रखीं। जिला सचिव कामरेड राजकुमार बासिया कि मिड डे मील कार्यकर्ता यूनियन ने अपने संघर्ष के बलबूते मानदेय बढ़ोतरी सहित मांगों को मनवाने में सफलता हासिल की है, लेकिन सरकार मिड डे मील कर्मियों को अभी तक अपना सरकारी कर्मचारी भी नहीं मान रही।

भिवानी। मिड-डे-मिल कर्मियों को संबोधित करते कामरेड राजकुमार बासिया।

प्रकृति से खिलवाड़ करके मानव नहीं जी सकते

भिवानी। शहीद किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्राम स्वराज किसान मोर्चा द्वारा संचालित गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शुरू किए गए हर घर-हर खेत पौधारोपण अभियान के तहत रोढ़ा मोड स्थित गौरक्षा शक्तिपीठ के महंत मौनी बाबा तुरंतनाथ महाराज के सान्निध्य में गांव ईशरवाल में धर्मपाल ईशरवाल के घर व खेत में पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान जांटी, नीम के 15 तथा 5 फलदार सहित 20 पौधों का रोपण किया गया। रोपित किए गए पौधों के संरक्षण की जिम्मेवारी धर्मपाल ईशरवाल ने ली।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित शक्षिक व अन्य।

जी लिट्रा में साइबर सुरक्षा कार्यशाला का किया आयोजन

भिवानी। जी लिट्रा वैली वद्यिालय में साइबर सुरक्षा एवं संरक्षा पर आधारित कार्यशाला का आयोजन किया गया,जिसमें देवेंद्र दहिया(आर्मी पब्लिक स्कूल, हिसार) व हरिश दहिया (आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक वद्यिालय , मदीना) से प्रशक्षिण देने के लिए उपस्थित हुए। वद्यिालय की प्राचार्या डॉ. सुमन यादव व प्रशक्षिकों ने मां सरस्वती के चत्रि के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में लगभग 60 शक्षिक व शक्षिकिाओं (जो कि लट्रिा वैली व अन्य वद्यिालयों से थे) प्रशक्षिण प्राप्त किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आज के वद्यिार्थियों विशेषकर युवा पीढी, अपने परिवारों, मत्रिों व देश के प्रत्येक नागरिक को साइबर अपराधियों से बचाना व जागरूकता फैलाना है। साइबर सुरक्षा में कम्प्यूटर सस्टिम,डेटा और नेटवर्क को साइबर अपराधियों से बचाने के लिए तकनीक, प्रक्रिया, और विधियां शामिल है।

सामाजिक कार्यों में बढ़चढ़कर भाग लें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

हरियाणा माइनिंग क्रेशर एसोसिएशन प्रधान सोमवीर घसौला व उनकी टीम द्वारा यही प्रयास किया जा रहा है कि क्षेत्र में अधिक से अधिक सामाजिक कार्यों में सहभागिता की जा सके। इसके तहत वो लगातार विभिन्न धार्मिक, शैक्षणिक व सामाजिक संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों के दौरान पहुंच कर यथा संभव सहयोग कर रहे है। इसी कड़ी में गांव मंदौली स्थित माता मंदिर परिसर में उन्होंने धार्मिक गतिविधियों के दौरान सहभागिता की। ग्रामीणों द्वारा उनका स्वागत फूल मालाओं के साथ किया गया व सामाजिक सहयोग की मुहिम की सराहना करते हुए स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

इसके साथ ही मंदिर परिसर में चलने वाले धार्मिक आयोजन व अन्य कार्यों के लिए उन्होंने 151000 की राशी भेंट की। इसके साथ ही मंदिर परिसर में नव नर्मिाण में के लिए ग्रामीणों द्वारा उनसे समक्ष सामग्री के सहयोग की मांग को रखा।

सोमवीर घसौला ने मंच के माध्यम से ग्रामीणों को निर्माण सामग्री में पूर्ण सहयोग की घोषणा की। उन्होंने मंदिर परिसर में आरंभ हो रहे कार्यों में नींव में ईंट रखवाते हुए शुभारंभ भी करवाया।

सरकारी डाक्टर कल करेंगे दो घंटे की पेन डाउन हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विस एसोसिएशन (एचसीएमएस) ने मांगें पूरी नहीं होने के विरोध में नागरिक अस्पताल में एकजुटता का प्रदर्शन किया और 15 जुलाई को पेन डाउन हड़ताल की जिम्मेदारियां सौंपी। एचसीएमएस के प्रधान डा. अनिल यादव ने बताया कि सरकार और एचसीएमएस के बीच आपसी सहमति के बाद डाक्टरों ने छह महीने पहले अपना आंदोलन स्थगित कर दिया था। आज तक मानी गई मांगें पूरी नहीं हो पाई हैं। स्पेशलिस्ट काडर, पीजी कोर्स के बांड में कमी, एसएमओ की सीधी भर्ती रोकने और केंद्रीय सरकारी डाक्टरों के समान एसीपी-भत्तों की मांग पूरी नहीं होने पर डाक्टरों में नाराजगी बढ़ी है। डा. यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि छह महीने बाद भी मांगें पर स्थिति जस की तस है। मेडिकल आफिसर के 3900 पदों में से 1100 एसएमओ के 636 पदों में से 250 पद और निदेशक के आठ पदों में से पांच पद खाली हैं। राज्य के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञों की भारी कमी है, लेकिन स्पेशलिस्ट काडर का प्रस्ताव वित्त विभाग में पिछले चार महीने से अटका हुआ है। पीजी बांड की राशि में कमी का प्रस्ताव भी छह महीने से लंबित है। डाक्टरों के नियमित पदौन्नति की फाइल भी पिछले डेढ़ साल से देरी से चल रही है। यह वास्तव में दुखद है कि डाक्टर (क्लास-वन अफसर) बुनियादी मुद्दों जैसे नियमित पदौन्नति, एसीपी, प्रोबेशन क्लीयरेंस आदि के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनका शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई वार सोमवार को दो घंटे पेन डाउन हड़ताल होगी। यदि सरकार फिर भी नहीं मानी तो आगामी 26 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर सभी चिकित्सक चले जाएंगे। इस मौके पर महासचिव डा. जगमोहन, मेडिकल सुपरीडेंट डा. सर्वजीत थापर, डा. कृष्ण कुमार, डा. ओपी खिंची एवं डा. होशियार सिंह आदि मौजूद रहे।

नारनौल। सरकार के खिलाफ लामबंद होते चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

पेपर बैग दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

बहल। बीआरसीएम ज्ञानकुंज स्कूल के एनसीसी कैडेट्स द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए पेपर बैग दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाषण, पोस्टर मेकिंग सहित अन्य प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में आरती को प्रथम स्थान मिला। कैडेट्स ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में संस्थान निदेशक डॉ. एसके सन्हिा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। एनसीसी प्रभारी जोगेन्द्र ढूकसह की देखरेख में आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

ऐतिहासिक बड़ा शिव मंदिर का रोड बनवाने के लिए एडीसी को सौंपा ज्ञापन

भिवानी। शुक्रवार को दादरी नगर के लोगों ने वशि्व हन्दिू परिषद् बजरंग दल, मातृ शक्ति, दुर्गावाहिनी, चरखी दादरी के पदाधिकारियों ने ऐतिहासिक बड़ा शिव मंदिर का रोड बनवाने के लिए समाधान शिविर के दौरान एडीसी डॉ. जयेन्द्र छल्लिर से मुलाकात की और उन्हें लिखित ज्ञापन सौंपा। वशि्व हन्दिू परिषद् की जिला अध्यक्ष पूर्व शक्षिा अधिकारी रोशनी शर्मा ने एडीसी डॉ. जयेन्द्र छल्लिर को अवगत करवाया कि ऐतिहासिक बड़ा शिव मन्दिर नजदीक परशुराम चौक 300 वर्षो पुराना शिव मंदिर है जिसमें दादरी नगर के सभी लोगों को गहरी आस्था है और इस मंदिर आए दिन सैकड़ों की संख्या में लोग शिव दर्शन करने आते है। विशेषकर सावन के महीने में प्रतिदिन हजारों भक्तों एवं श्रद्धालुगणों की आवाजाही रहती है कन्तिु बड़े खेद की बात है कि बड़ा शिव मन्दिर का जो मैन रास्ता है जो गड्ढों में तबदील हो चुका है तथा बल्कुिल खस्ता हालात में है। इस रास्ते को बनवाने के लिए वे काफी समय से मांग करते आ रहे है, लेकिन आज तक उक्त रोड को बनवाने के लिए कोई अमलीजामा नहीं पहनाया गया है। इस मन्दिर में आने-जाने वाले भक्तों को व आम-जन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस रास्ते में शिविर का गंदा पानी भी भरा रहता है। इस दौरान परिषद् के जिला सहमंत्री जगन्नाथ धनेटिया, भास्कर वशष्ठि, रतन लाल गोयल, कर्ण सिंह सोनी, रतन लाल बजाज, संजय सोनी, महावीर प्रसाद बीकानेरिया, सेवानिवृत मुख्याध्यापक तुलेन्द्र वर्मा, दिनेश मितल, गोपीराम गर्ग आदि रहे।

आरपीएस के अंशुल ने सीए फाइनल और नौ ने सीए की परीक्षा उत्तीर्ण की

महेंद्रगढ़। सीए की परीक्षा उतीर्ण करने वाले विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंटस ऑफ इण्डिया द्वारा सीए की परीक्षा का परिणाम घोषित किया, जिसमें आरपीएस विद्यालय महेन्द्रगढ़ के अंशुल ने सीए फाइनल कोर्स कम्पलिट किया एवं इसके साथ-साथ आरपीएस स्कूल के 9 विद्यार्थियों ने परीक्षा परिणाम में सफलता अर्जित करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस अपार खुशी में आरपीएस विद्यालय में अभिभावक, शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे को बधाई देकर

■ देश की उन्नति में सीए विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान: चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव

खुशी का इजहार करते नजर आए। इस खुशी के मौके पर आरपीएस संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव व संस्था के सीईओ मनीष राव, विद्यालय प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी एवं पीजीटी विंग हैड देवेन्द्र पुनिया ने बधाई देते हुए कहा कि तकनीकी व चिकित्सा क्षेत्र में इतिहास रचने के साथ-साथ आज विद्यार्थी संस्था में वाणिज्य के भी विभिन्न परीक्षाओं में इतिहास रच रहे हैं। वाणिज्य के क्षेत्र में सीए की परीक्षा देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में शुमार है। छात्रा सुरभी, प्रिया, दिपांशु, उदय प्रताप सिंह, अंजली, मोहित अग्रवाल, भविष्य, तरूण कुमार एवं कृष गोयल ने परीक्षा उत्तीर्ण कर अभिभावकों, शिक्षकों का नाम रोशन किया। आरपीएस विद्यालय आज अभिभावकों के सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देश की सबसे बड़ी परीक्षा सीए के परीक्षा परिणाम में 9 विद्यार्थियों का एक ही संस्था से चयन होना अपने आप में बहुत बड़ी बात है।

सामाजिक संगठनों ने 18 का रक्तदान शिविर किया स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

सामाजिक संगठनों के लोगों द्वारा शनिवार को बाढ़ड़ा के सतनाली रोड़ पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी 18 जुलाई को बाढ़ड़ा अनाज मंडी में प्रस्तावित रक्तदान शिविर को स्थगित करने व 21 जुलाई को गांव कांहड़ा में आर्मी टीम द्वारा लगाए जाने वाले रक्तदान शिविर में सहयोग करने का निर्णय लिया गया। बता दे कि राजस्थान के चिड़ावा में झुग्गी झोपड़ियों के बच्चों के लिए शिक्षा की अलग जगाने वाले संगठन सरला की पाठशाला द्वारा बाढ़ड़ा अनाज मंडी में 18 जुलाई को विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जाना था। लेकिन सामाजिक संगठनों के लोगों ने आर्मी की टीम द्वारा सेना के जरुरतमंदों जवानों के लिए कांहड़ा में 21 जुलाई को आयोजित रक्तदान शिविर को देखते हुए इसे स्थगित करने का निर्णय लिया है। बाढ़ड़ा अनाज मंडी में प्रस्तावित रक्तदान शिविर के संयोजक मनोज हंसावास ने कहा कि 18 जुलाई के रक्तदान शिविर को स्थगित कर दिया गया है। कांहड़ा के श्रीराम पब्लिक स्कूल में आर्मी की टीम द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन 21 जुलाई को किया जा रहा है। जिसमें एकत्रित किया गया रक्त सेना के जरूरतमंद जवानों के लिए ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे टीम सहित इस शिविर में सहयोग करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं से अपील की है कि 21 जुलाई को कांहड़ा में आयोजित रक्तदान शिविर में बढ़चढ़कर भाग ले और सेना के जरुरतमंद जवानों के लिए रक्तदान करें।

ये रहे मौजूद

बैठक के दौरान मनोज हंसावास कलां, साहिल चहल, दीपक सभ्रवाल, युवा जनहित ट्रस्ट उपाध्यक्ष मोहित फोगाट, धमेंद्र, अभिलाष, प्रदीप, प्रवीन बॉक्सर, हिमांशू, अमित बाढ़ड़ा आदि मौजूद थे।

अब गांवों का होगा समुचित विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

मुख्यमंत्री द्वारा सरपंचों की सीमा बढ़ाए जाने और 21 लाख की ग्रांट अपने स्तर पर खर्च करने व अन्य सुविधाएं देने से गांवों को समुचित विकास होगा। गांव के विकासत को रफ्तार मिलेगी। यह बात सुनील डुडीवाला ने सरपंचों को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान, सरपंचों ने अपने गांव में किए गए विकास कार्यों का अनुभव साझा किया और अन्य संबंधित विकास कार्यों के लिए सुझाव भी दिए। पिछले 10 दिनों से सुनील डुडीवाला दादरी के प्रत्येक गांव, पंचायत, शिष्ट मंडल को साथ लेकर विभिन्न अधिकारियों, मंत्रियों और मुख्यमंत्री के समक्ष क्षेत्र की समस्याओं को सुलझाने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर दादरी क्षेत्र के लिए ये उम्मीद की किरण है। सुनील ने कहा कि सरकार का सरपंचों की पावर बढ़ाने का सही निर्णय है। अब गांवों को विकास तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण विकास को लेकर गंभीर है। इस मौके पर महेंद्र सिंह, प्रेमसिंह, प्रमोद परमार, नरेश, मनवीर, विनोद, महेंद्र सिंह, संजीत परमार, भोलू ठेकेदार, अनिल यादव, गौरव चौबारावाला, सरपंच डुडीवाला नंदकरण अजीत सिंह, सरपंच स्वरूपगढ़ कपूरसिंह, सरपंच कन्हेटी अजय, सरपंच सांकरोड ओमप्रकाश आदि उपस्थित रहे।

चरखी दादरी। सरपंचों को संबोधित करते सुनील डुडीवाला।

रेगुलर पॉलिसी में शामिल करने सहित अन्य मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

शारीरिक शिक्षक सहायकों व कला शिक्षा सहायकों ने विधायक किरण चौधरी को सौंपा मांगपत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

पिछले 11 वर्षों तक लगातार राजकीय विद्यालयों में नियमित तौर पर कार्यरत है तथा करीबन एक वर्ष से हरियाणा कौशल रोजगार निगम में कार्यरत कला शिक्षा सहायक व शारीरिक शिक्षक सहायक अब भी रेगुलर पॉलिसी में शामिल करने की मांग को लेकर सरकार से गुहार लगाने को मजबूर है। रेगुलर पॉलिसी में समोजित करने को लेकर कला शिक्षा सहायक व शारीरिक शिक्षक सहायकों ने विधायक किरण चौधरी को मांगपत्र सौंपा। हरियाणा शारीरिक शिक्षक संघर्ष समिति के जिला प्रधान दिलबाग जांगड़ा ने बताया कि शारीरिक शिक्षकों ने स्कूली स्तर पर बेहतरीन खिलाड़ी तैयार किए, जो आज राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे है। इसके बावजूद भी शारीरिक शिक्षक अपने ही हकों के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है, जो सरकार की उनके प्रति अनदेखी वाला रवैया दर्शाता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 7 वर्ष से अधिक सरकारी विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को पक्का कर्मचारी का दर्जा देने की पॉलिसी बनाई है। लेकिन इसके बावजूद भी शारीरिक शिक्षक सहायकों व कला शिक्षा सहायकों से भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाकर उन्हें इस पॉलिसी से अलग रखा जा रहा है जिसके चलते उनमें रोष पनप रहा है तथा वे सरकार के खिलाफ संघर्ष की रूपरेखा बनाने में जुटे हुए है। मदनलाल सरोहा ने कहा कि उनकी मांगों में शारीरिक शिक्षक सहायकों को पॉलिसी के तहत पक्का करने, गृह जिले से बाहर तैनात किए शारीरिक शिक्षक सहायकों को या तो गृह जिला में नियुक्त किया जाए या फिर उन्हें अलग से भत्ता देने, समय पर वेतन न मिलने की समस्या का तुरंत समाधान करने, 1500-1500 रूपयें वसूलने के बाद भी उनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने ऐसे में शारीरिक शिक्षकों के आयुष्मान कार्ड बनाने की मांग की।

भेदभाव पूर्ण रवैया अपना रेगुलर पॉलिसी से दूर कर रही सरकार: दिलबाग

खबर संक्षेप

सेंट जेवियर्स स्कूल ने कराटे में जीता सोना

भिवानी। जिला स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में अनेक स्कूलों के छात्रों ने भाग लिया, जिसमें सेंट जेवियर्स ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिसमें 11 स्वर्ण, 13 रजत व 19 कांस्य पदक प्राप्त किए। प्रतियोगिता में मुख्यतिथि जिला खेल अधिकारी धुरेन्द्र सिंह रहे। कराटे संघ के चेयरमैन कंवर लालसिंह तंवर, अध्यक्ष भानुप्रकाश शर्मा, अनिल रोहल्लिा, अनु मेहता, एडवोकेट ललित शर्मा, सहसचिव नरेश दुरेजा, जोगद्रिं सिंह व पवन कुमार रहे। सेंट जेवियर्स के छात्रों ने अपना शानदार प्रदर्शन दिखाया। कराटे प्रतियोगिता में छात्रों को स्वर्ण, रजत व कास्य पदक वितरित किए।

हरियाणा प्रदेश में बढ़े अपराध : अशोक

भिवानी। भाजपा के 10 वर्षों के शासनकाल में हरियाणा प्रदेश में बढ़े अपराध, बेरोजगारी, नशा, भ्रष्टाचार सहित अन्य 15 सवालों की एक चार्जसीट कांग्रेस ने बनाई है तथा भाजपा की इन विफलताओं व आमजन विरोधी कार्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हरियाणा मांगे हिसाब के नाम से प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में रथयात्रा भी शुरू की है। कांग्रेस के इस अभियान का उद्देश्य भाजपा की जनविरोधी सोच तथा भाजपा असलियत जनता तक पहुंचाना है। ये बात हरियाणा कांग्रेस सेवा दल के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कादयान ने प्रेस को जारी बयान में कही।

केएम पब्लिक स्कूल में क्लब का किया उद्घाटन

भिवानी। के. एम. पब्लिक स्कूल में स्टॉलियन स्पोर्ट्स राइडिंग क्लब का उद्घाटन किया। गया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति सचिव राजेश मोडा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष मनीष सिंघानिया के कर कमलों द्वारा किया गया। क्लब प्रभारी रमन शांडल्यि ने बताया कि क्लब छात्रों को अपने कौशल विकसित करने,आत्मवश्विास बढ़ाने और घुड़सवारी के खेल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करने के लिए तैयार है। यह क्लब न केवल वद्यिालय के विद्यार्थियों को बल्कि सभी भिवानीवासियों को इस रोमांचक खेल के लिए आमंत्रित कर रहा है ताकि सभी लोग विद्यालय में आकर घुड़सवारी के लिए अपना नाम पंजीकृत करवा सकें ।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत लगाए पौधे

भिवानी। पर्यावरण संरक्षण के लिए जिले में सामाजिक संस्थाए एवं धार्मिक संगठन बढ़ चढ़कर आगे आ रहे है। हर तरफ-हर वर्ग में पौधरोपण का जुनून दिखाई दिया है। नेहरू युवा केंद्र यूथ वालंटियर प्रवीण गोलागढ़ व हितेश पोकरवास ने कहा कि पौधरोपण को जागरूकता अभियान लगातार जारी रहना चाहिए। मानसून के दिनों में पौधरोपण किया जाए और इसके बाद साल भर इन पौधों की देखभाल की जाए। उन्होंने कहा कि पौधों के साथ आमजन को जोड़ने से ही हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कुछ अच्छा कर सकते हैं। नियमित देखभाल जरूरी और सभी को खुशी के अवसर चाहे जन्मदिन व अन्य उत्सवों पर पौधे रोपित करने चाहिएं। बच्चे अपने जन्मदिन पर पौधारोपित करें।

चरखी दादरी के रोडवेज जीएम ने बाढ़ड़ा बस स्टैंड का किया निरीक्षण

पुरुष और महिला शौचालय की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया

बस स्टैंड परिसर में शीतल पेयजल के लिए लगाए वाटर कूलर का निरीक्षण किया और यात्रियों से बातचीत की।

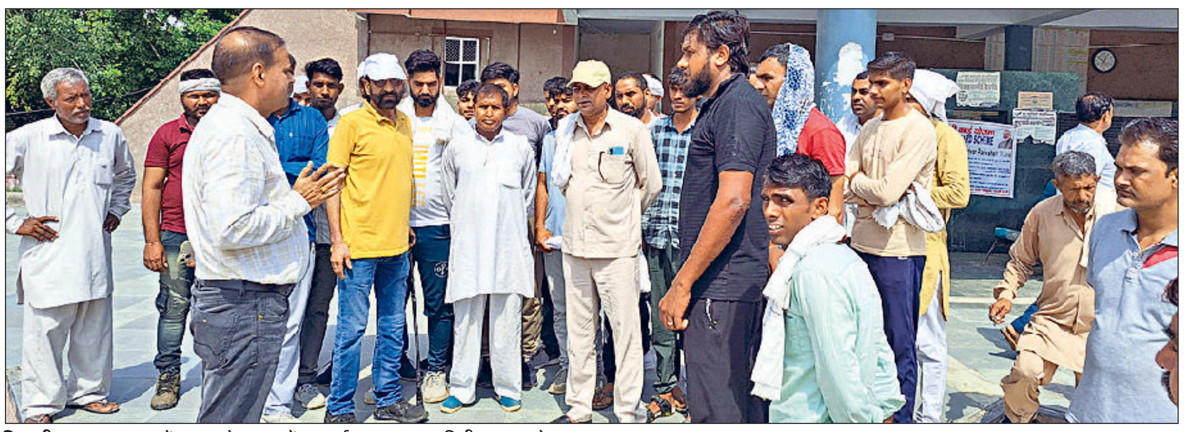

भिवानी। बाढ़ड़ा बस स्टैंड पर शौचालय में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करते जीएम नवीन शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

हरियाणा रोड़वेज चरखी दादरी डिपो के महाप्रबंधक नवीन शर्मा ने शनिवार को बाढ़ड़ा बस स्टैंड का निरीक्षण किया। उन्होंने बस स्टैंड पर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और अन्य सुविधाओं को लेकर बाढ़ड़ा बस स्टैंड प्रभारी हरेंद्र सिंह के बात की। उन्होंने बस स्टैंड पर और बेहतर सफाई व्यवस्था करने के लिए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा नर्दिेश दिए। वहीं वन महोत्सव के तहत युवाओं के साथ मिलकर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बता दें कि जीएम नवीन शर्मा शनिवार को बाढ़ड़ा बस स्टैंड पहुंचे, जहां उन्होंने पुरुष और महिला शौचालय पहुंचकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। जीएम ने बस स्टैंड परिसर में शीतल पेयजल के लिए लगाए वाटर कूलर का निरीक्षण किया और यात्रियों से जाना कि उन्हें पेयजल उपलब्ध हो रहा है या नहीं। इसके अलावा बस स्टैंड परिसर में पानी कनेक्शन के अभाव में बंद पड़े शौचालय को चालू करवाने की बात कही। इस दौरान बस स्टैंड प्रभारी हरेंद्र सिंह ने उन्हें बस स्टैंड संबंधी समस्याओं से अवगत करवाया और उन्हें पूरा करवाने की मांग की। निरीक्षण के बाद जीएम शौचालयों के अंदर की सफाई को लेकर ज्यादा संतुष्ट नजर नहीं आए और उन्होंने सफाई व्यवस्था में सुधार करने के नर्दिेश दिए। इसके अलावा बस स्टैंड परिसर में बेकार पड़ी वस्तुओं का वहां से हटवाने व बंद पड़े शौचालयों में पानी कनेक्शन करवाकर उन्हें चाले करवाने के नर्दिेश दिए है।

बस स्टैंड पर पौधरोपण

निरीक्षण के बाद जीएम ने बस स्टैंड प्रभारी व युवाओं के साथ मिलकर बस स्टैंड परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव के तहत पौधरोपण किया जा रहा है। पेड़ पौधों के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है। पौधरोपण के लिए वर्तमान मौसम सबसे अनुकूल है, इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देनो चाहिए। इस अवसर पर जीएम नवीन शर्मा के अलावा बस स्टैंड प्रभारी हरेंद्रसिंह, सुनील, सतीश सिंह, अनूप, मनोज व सतपाल आदि मौजूद थे।

भिवानी। बस स्टैंड पर लोगों से बात करते जीएम नवीन शर्मा।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

चरखी दादरी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आरंभ किए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इन दिनों भाजपा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार क्षेत्र के विभन्नि ग्रामीण इलाकों में पौधरोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में पूर्व जिलाध्यक्ष व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अधिवक्ता रामकिशन शर्मा व साथियों ने बिरही व छपार में विभन्नि कस्मि के फल, फूल, छायादार व औषधी गुणों से युक्त पौधरोपण किया। इसके साथ ही सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। अधिवक्ता रामकिशन शर्मा ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार है, पेड़ मनुष्य जाति ही नहीं इस सृष्टि पर जितने भी प्राणी है उनका जीने का आधार पेड़ है इसके लिए हर व्यक्ति को अपने जीवन में एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। इस अवसर पर प्रदेश संयोजक चिकत्सिा प्रकोष्ठ डॉ. संजीव मड़यिा, मास्टर जगदीश जिला उपाध्यक्ष भाजपा मास्टर भूपसिंह अटेला जिला उपाध्यक्ष चरखी मंडल महामंत्री सुरेंद्र आर्य गांव के सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र सांगवान प्रवीण शर्मा, विजय सांगवान, सूबेदार विजय सिंह सांगवान,आनंद सांगवान, शांतप्रिकाश शास्त्री आदि थे।

कारगिल युद्ध के शहीद सैनिकों के परिजन और आश्रित होंगे सम्मानित

चरखी दादरी। पूर्व गौरव सैनिक सोसायटी की बैठक का आयोजन जिला प्रधान सुबेदार सोमबीर शर्मा की अध्यक्षता में किया, जिसमें अनेक अहम विषयों पर चर्चा की गई। मुख्य रूप से सोसायटी की स्थापना के एक साल पूरे हो जाने पर किए गए कार्यों की समीक्षा की। महासचिव सुबेदार राजेश फौगाट ने बताया कि बैठक के दौरान 26 जुलाई को कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के परिजनों व आश्रितों को सम्मानित करने को आयोजित कार्यक्रम को लेकर चर्चा की। यह आयोजन गांव बलकरा में किया जाएगा। 14 अगस्त को बडे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

विस चुनाव में मत प्रतिशत बढ़ाएं : प्रिया

- चुनाव आयोग की जिला ब्रांड एंबेस्डर अधिवक्ता प्रिया ने लघु सचिवालय में लगाई त्रिवेणी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

स्वच्छ पर्यावरण के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है, उसी प्रकार से लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान प्रशितत्ता को बढ़ाना जरूरी है, ऐसे में प्रत्येक जन को चाहिए कि वे पर्यावरण व राष्ट्र के प्रति अपनी जम्मिेवारी का निर्वहन करते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करें तथा आगामी विधानसभा चुनाव में मत प्रतिशत्ता भी बढ़ाएं, ताकि स्वच्छ पर्यावरण के साथ-साथ मजबूत लोकतंत्र की भी स्थापना की जा सकें। ये बात चुनाव आयोग भिवानी की जिला ब्रांड एंबेसडर अधिवक्ता प्रिया लेघां ने शनिवार को लघु सचिवालय परिसर में त्रिवेणी रोपित करते हुए कही। अधिवक्ता प्रिया लेघां ने कहा कि पेड़-पौधों की कमी से निरंतर पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है। बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। प्रिया ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे विस चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान सुनश्चिति करें। इस दौरान पर्यावरण प्रहरी हवलदार लोकराम नेहरा, शंकर नर्सरी संचालक चंद्रमोहन, भूमिका, राजेश, सोनू आदि मौजूद रहे।

गो किसान समृद्धि ट्रस्ट ने लगाए पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। पौधरोपण करते गोकिसान समृद्धि ट्रस्ट के सदस्य।

- कोविड-19 जैसी महामारियां हमें सिखाती है कि प्रकृति से खिलवाड़ के परिणाम ठीक नहीं

ग्राम स्वराज किसान मोर्चा द्वारा संचालित गो किसान समृद्धि ट्रस्ट द्वारा शहीद किसान योद्धा मंगल सिंह खरेटा की प्रथम पुण्यतिथि पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में शुरू किए गए हर घर-हर खेत पौधारोपण अभियान के तहत रोढ़ा मोड स्थित गौरक्षा शक्तिपीठ के महंत मौनी बाबा तुरंतनाथ महाराज के सान्निध्य में गांव ईशरवाल में धर्मपाल ईशरवाल के घर व खेत में पौधारोपण अभियान चलाया।

इस दौरान जांटी, नीम के 15 तथा 5 फलदार सहित 20 पौधों का रोपण किया। रोपित किए पौधों के संरक्षण की जम्मिेदरी धर्मपाल ईशरवाल ने ली। गौ किसान समृद्धि ट्रस्ट के प्रदेश सचिव महेंद्र सिंह गोदारा ने कहा कि विकास की दौड़ में कहीं न कहीं हम सभी प्रकृति की उपेक्षा कर रहे हैं, जिसका खामियाजा आज हम सभी भुगतने को मजबूर है, ऐसे में पर्यावरण को किए गए नुकसान की भरपाई के लिए प्रत्येक जन को अधिक से अधिक पौधें रोपित कर उनका संरक्षण भी करना होगा। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष युद्धवीर मंगल सिंह खरेटा ने कहा कि कोविड-19 जैसी महामारियां हमें सिखाती है कि प्रकृति से खिलवाड़ करके हम सुरक्षित जीवन नहीं जी सकते। इस अवसर पर ओमप्रकाश कलाली, विकास हसानिया, बीर सिंह, संदीप बुड़च, अशोक नागल, रमेश इशरवाल, डॉ. नूनिया, नरेश मंढ़ाणिया आदि मौजूद रहे।

सब इंस्पेक्टर बनने पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने किया सम्मानित

भिवानी। श्रीपाल के सब इंस्पेक्टर के पदोन्नति होने पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था ने उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर संस्था के सदस्यों ने श्रीपाल को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भवष्यि की कामना की। संस्था ने उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी, पार्षद विनोद प्रजापति, अधिवक्ता राजेश जांगड़ा ने कहा कि श्रीपाल की ये उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त सब इंस्पेक्टर श्रीपाल अपने नई जिम्मेदारी को केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं रखते बल्कि वे समाज के युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

ठेकेदारों का धरना जारी

- अकेले दादरी जिले में नहीं, भिवानी रेंज के अनेक स्थानों पर पेमेंट रुकाने से ठेकेदार परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

भिवानी। बकाया पेमेंट को लेकर धरने के दौरान नारेबाजी करते ठेकेदार यूनियन पब्लिक हेल्थ मंडल के सदस्य।

बकाया पेमेंट की समस्या अकेले दादरी जिले में ही नहीं है बल्कि भिवानी रेंज के अनेक स्थानों पर ठेकेदार इस परेशानी से जूझ रहे है। कई स्थानों पर तो वहा के ठेकेदार अपनी मांगों व परेशानियों को लेकर उच्च अधिकारियों को लिखित में अवगत करवा चुके है, लेकिन उनकी भी सुनवाई अधिकारी व विभाग नहीं कर रहा है। साथी ठेकेदारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि अपनी पेमेंट को लेकर वो दादरी के ठेकेदारों की तरह धरना प्रदर्शन का मार्ग अपनाने का विचार बड़ी गभीरता से कर रहे है कि बहुत जल्द आगामी सप्ताह में अन्य जिलों में जनस्वास्थ्य विभाग के ठेकेदार बकाया पेमेंट व समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन करना आरंभ कर देंगे।

ये जानकारी इन दिनों स्थानीय जनस्वास्थ्य विभाग में ठेकेदारों की बकाया पेमेंट व अन्य समस्याओं को लेकर अभियंता के कार्यालय समक्ष धरना दे रहे साथी ठेकेदारों को यूनियन जिला प्रधान व पूर्व चेयरमैन प्रीतम बलाली ने दी। धरने में अमरजीत सनवाल, रामबिलास शर्मा पातुवास, सुखबीर, नसीब घसौला, प्रीतम झामरी, प्रवीन अटेला, उमेद मोरवाला, ओमप्रकाश बिगोवा, चरण सिंह व संजय बिरहीं कला, सुनील गौरिया, जोगेंद्र मकडाना आदि मौजूद रहे।

मार्केट न्यूज

बजाज क्लोथिंग में कपड़ों की नई वैरायटी बनी ग्राहकों की पसंद

भिवानी। बिचला बाजार स्थित बजाज क्लोथिंग में कपड़ों की खरीदारी करते ग्राहक।

भिवानी। बिचला बाजार स्थित बजाज क्लोथिंग में कपड़ों की नई वैरायटी आ गई है, जोकि ग्राहकों की पहली पसंद बन रहे हैं। फर्म के संचालक पूनम बजाज ने बताया कि अब भिवानी के लोगों को कपड़ों की खरीदारी के लिए शहर से बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि उनके यहां सभी वर्ग के ग्राहकों की पसंद के लिए नए डिजाइन के कपड़े उपलब्ध है। इसमें महिलाओं के लेडीज सूट, सलवार सूट, प्लाजो तथा रेडीमेड सूट इत्यादि की वैरायटी है और पुरुष वर्ग के लिए पेंट शर्ट, जैकेट, कुर्ता पजामा की सभी रेंज उपलब्ध है। सूटिंग में रेड सियाराम, डोनेर, शर्टिंग में अरविंद, सलिनो, चिनार व लिनन में सूटिंग व शर्टिंग की पूरी क्वालिटी उपलब्ध हैं । उन्होंने बताया कि हमारे यहां पर बेड शीट, टावल इत्यादि की सभी प्रकार की वैरायटी वाजिब दाम पर उपलब्ध है।

जैन मुनियों का चातुर्मास के लिए पदार्पण

- जैन मुनियों का प्रेक्षा विहार में किया गया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण के सुशष्यि सेवाभावी मुनश्रिी देवेन्द्र कुमार, तपोमुर्ति पृथ्वीराज का अपने दो सहयोगी मुनि आर्जव कुमार व मुनश्रिी जज्ञिासु कुमार के साथ आज प्रातः प्रेक्षा विहार में पर्दापरण हुआ, जहां सभी का हार्दिक अभिनन्दन किया गया। मुनियों का इस वर्ष का चातुर्मास लोहड़ बाजार स्थित तेरापंथ भवन में होगा, जहां 15 जुलाई को जुलूस के रूप में प्रातः लगभग 10 बजे प्रवेश करेंगे। सभी जैन मुनि बहुत वद्विान है तथा अनेक प्रान्तों की पदयात्रा कर उन्हें धर्म व अणुव्रत के संस्कार दिये है। जैन मुनि सदैव नंगे पांव चलते है तथा इनका मुख्य लक्ष्य व्यसनमुक्त धार्मिक जीवन जीने की प्रेरणा देने का रहता है।

जीवन वज्ञिान योग ध्यान ट्रस्ट के महामंत्री सुरेंद्र जैन एडवोकेट ने जैन मुनियों का प्रेक्षा विहार में आगमन पर शब्दों द्वारा स्वागत कर बताया कि ये वह पवत्रि भूमि है, जहां 18 वर्ष पूर्व आचार्यश्री महाप्रज्ञ का बहुत बड़े शष्यि समुदाय के साथ चातुर्मास हुआ था तथा राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक व राजनीतिक हस्तियों ने पहुंचकर जैन मुनियों से आशीर्वाद प्राप्त किया था। अब मुनियों का प्रेक्षा विहार में मात्र 3 दिन का प्रवास रहेगा। तेरापंथ महिला मंडल की बहनों ने स्वागत गीत का संगान किया।

बच्चों के प्रति बढ़ते अपराध का मुख्य कारण जागरूकता की कमी

बच्चों को दी गुड टच एवं बैड टच की जानकारी

भिवानी। बच्चों को गुड टच व बैड टच की जानकारी देते प्राचार्य सज्जन भारद्वाज।

- बच्चों को शिक्षा के साथ गुड टच व बैड टच की जानकारी देना अभिभावक व शक्षिक का कर्तव्य : भारद्वाज
- ऑकवुड स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

छोटे बच्चों के साथ होती असामाजिक गतिविधियां उन्हे मानसिक प्रताड़ना का शिकार बना देती है, जिसके चलते वे सामाजिक रूप से भी पिछड़ जाते है, ऐसे में इन असामाजिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जरूरी है कि बच्चों को भी इनके प्रति जागरूक होना चाहिए। इसी कड़ी में बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में अवगत करवाने के उद्देश्य से शनिवार को द ऑकवुड स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

बच्चों को अच्छी शिक्षा

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने प्राचार्य सज्जन भारद्वाज से गुड टच एवं बैड टच के विषय में प्रश्न पूछा कि क्या ऐसे व्यक्ति हमारे परिवार, विद्यालय के आस पड़ोस में हो सकते है तो प्राचार्य ने जवाब दिया कि ऐसे व्यक्ति किसी पुरुष और महिला के रूप में हो सकते है और इनका दायरा सीमित नहीं होता। उन्होंने बताया कि ये हमे परिवार, पड़ोस, वद्यिालय या अन्य सार्वजनिक स्थान पर कही भी मिल सकते है। प्राचार्य द्वारा बताए विषय पर बच्चों ने ध्यानपूर्वक सुना व समझा। प्राचार्य भारद्वाज ने कहा कि बच्चों के प्रति बढ़ते अपराध का मुख्य कारण बच्चों में जागरूकता की कमी होती है तथा यह माता-पिता के साथ-साथ गुरूजनों का भी कर्तव्य है कि वे बच्चों को अच्छी शिक्षा, खाना-पीना, कपड़े पहनना, बड़ों का सम्मान करना और अच्छे संस्कार देने के साथ-साथ गुड टच-बैड टच जैसे गंभीर मुद्दों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को गुड टच-बैड टच के बारे में बताना कम जरूरी समझते हैं और संकोच भी करते हैं, जिसकारण बच्चे यौन शोषण के शिकार होते है। अध्यापिका इंदु ने छात्र और छात्रा को दिखाकर उन्हें गुड टच व बैड टच के बारे में वस्तिारपूर्वक समझाया।

खबर संक्षेप

घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप

बाढ़ड़ा। चांदवास निवासी एक व्यक्ति ने उसके घर में घुसकर मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पुलिस को दी शिकायत में चांदवास के रामकिशन ने बताया कि वह घर पर मौजूद था। उसी दौरान गांव के ही चार लोग उसके घर आये और उसके झगड़ा शुरू कर दिया। इस दौरान एक व्यक्ति ने उसे पकड़ लिया और एक ने डंडा मारा। बाद में सभी ने थप्पड़, लात मुंह पर मारी और उसे घायल कर दिया। वहीं जाते समय उक्त लोग उसे जान से मारने की धमकी देकर गए है।

बोलेरो कैंपर की टक्कर से लड़की की मौत

बाढ़ड़ा। हंसावास कलां बस अड्डे पर शनिवार को बोलेरों कैंपर की टक्कर से लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने लड़की के नाना की शिकायत पर अज्ञात बोलों कैंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हंसावास कलां के रामेश्वर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह सुबह सवा 11 बजे हंसावास कलां गांव के बस स्टैंड पर बस से उतरा तथा घर की तरफ चलने लगा तो सतनाली की तरफ से बोलेरो कैंपर आई। वह औरत उसकी दोहती इशिका रोड क्रास कर रहे थे तो उसकी दोहती को कैंपर चालक ने सीधी टक्कर मार दी। एक्सीडेंट में उसकी दोहती को सिर में चोट लगी।

पालूवास में पीने के पानी को लेकर मचा हाहाकार, नारेबाजी

जलघर परिसर में मरी हुई मछलियां पड़ी होने की वजह से अब आने लगी सड़ांध

ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर जिला प्रशासन ने उनकी समस्या का समाधन नही किया तो आंदोलन की राह पर चलने पर मजबूर होंगे।

भिवानी। पालूवास के जलघर परिसर में मरी पड़ी मछलियां और जलघर की सफाई की मांग को लेकर नारेबाजी करते लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शहर के साथ सटे गांव पालूवास में इन दिनों पीने के पानी की किल्लत से जुझ रहे हैं। गांव के जलघरों में पानी की कमी व कर्मचारियों की लापरवाही के हालत बने है। हैरानी की बात यह है कि गांव के जलघर में पानी का तो टोटा है ही साथ में जलघर परिसर में मरी हुई मछलियां पड़ी होने की वजह से सड़ांध आने लगी है। जिसकी वजह से आसपास के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। इसी मांग को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अगर जिला प्रशासन ने शीघ्र उनकी समस्या का समाधन नहीं किय गया तो आंदोलन की राह पर चलने पर मजबूर होंगे।

दो फुट पानी बचा

गांव के पूर्व पंच महेंद्र सिंह चौहान व सुनील कालू ने कहा कि गांव पालूवास के जलघर में दो टैंक बने हुए है। जिसमें से एक टैंक पूरी तरह से सूखा पड़ा है तथा दूसरे में करीब दो फुट पानी बचा है। उन्होंने कहा कि जलघर में टैंक में पानी न होने की वजह से करीबन दस दिनों से सप्लाई नहीं हुई । जिसके चलते ग्रामीण बूंद बूंद तक तरस गए है। उन्होंने कहा कि गांव में पेयजल सप्लाई की कल्लित इतनी गहरा गई है कि वे टैंकरों से पानी खरीद कर पीने को मजबूर है। उन्होंने बताया कि दूसरी तरफ जो टैंक खाली पड़ा है, उसमें गंदगी की भरमार होने के साथ साथ बड़ी तादाद में मछिलयां भी मरी पड़ी है। जिसके चलते आसपास का क्षेत्र बदबूमय भी हो गया है तथा लोगों का सांस लेना भी दुस्वार हो गया है। उन्होंने कहा कि पेयजल सबंधी समस्या के समाधान के लिए संबंधि विभाग के एक्सईन ,जेई व एसडीओ से गुहार लगा चुके है,लेकिन कोई समधान नहीं हुआ।

ट्यूबवेल ठीक करवाएं

उन्होंने मांग करते हुए बताया कि टैंकों में नया ट्यूबवेल लगाए तथा ट्यूबवेल खराब है। उन्हें ठीक करवा कर चालू करवाया जाए, ताकि पेयजल की आपूर्ति हो सके। उन्होंने चेतावनी देते हुए कि यदि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो रोड जाम करने पर मजबूर होंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि रणबीर फौजी, पूर्व पंच डॉ. महेंद्र सिह चौहान, सुनील उर्फ कालू, सतीश मास्टर, धर्मपाल यादव, गोपाल, धर्मपाल जांगड़ा, संदीप,सुदर पंच, दीवान सिंह, सोनू,ईश्वर पंच आद मौजूद रहे।

- ग्रामीणों ने समस्या का समाधान न होने पर सोमवार को जलघर को ताला जड़ने के संकेत दिए
- दो माह पहले भी गांव के इसी जलघर में डेड बॉडी मिली थी

गुजरानी के जलघर में मिली मरी मछलियां, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बवानी खेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव गुजरानी के जलघर में सैकड़ों मछलियां मरी होने पर ग्रामीणों ने जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारियों व अधिकारियों के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। समस्या के समाधान न होने पर सोमवार को जलघर को ताला जड़ने के संकेत दिए। वहीं विभाग के कार्यकारी अभियंता ने उपमंडल अभियंता व कनष्टि अभियंता की ड्यूटी लगाकर व्यवस्था दुरूस्त करवाने की बात कही। जैसा की सभी जानते हैं कि गांव गुजरानी में कैपरी ,कच्छा पहनने पर रोक को लेकर चहुं और चर्चा रही।

उसी गांव गुजरानी के सरपंच प्रतिनिधि सुरेश कुमार, दौलत राम, प्रदीप शर्मा, हंसराज, रमेश, महासिंह, योगेश, मनिया, रवन्द्रि, जितेन्द्र, नरेश कुमार, बुधराम, मनीराम, प्यारेलाल, हरिराम, लक्ष्मणदास आदि ने बताया कि रात्री के समय सोने पर बदबू आने पर वे असमंजस्य की स्थित में भी और गांव के जलघर के पास से गुजरने पर बदबू आने पर उन्होंने जलघर में जाकर देखा तो सैकड़ों मछलियां मरी हुई थी। ग्रामीणों की मानें तो जलघर के मुख्य द्वार को ताला लगा हुआ था लेकिन अंदर आवारा पशु घूम रहे थे यदि आवारा पशु जलघर में गिर जाएं तो पशुपालकों को नुकसान होगा और पशु भी अकाल मृत्यु मरेंगे। इसके अलावा उन्हें मृत पशुओं का गंदा पानी पीना पड़ेगा। ग्रामीणों ने बताया कि लगभग दो माह पहले भी गांव के इसी जलघर में डेड बॉडी मिली थी।

चांदवास निवासी महिला ने जमीन पर कब्जा करने के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

- महिला ने जान से मारने की धमकी देने के लगाए आरोप, पुलिस ने दर्ज किया केस

चांदवास निवासी एक महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति पर उसकी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करने व रास्ता रोककर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए है। उसने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जिसके आधार पर बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने बीती देर रात एक नामजद व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में चांदवास निवासी महिला सलोचना ने बताया कि उसके नाम गांव चांदवास में जमीन है। वह और उसका बेटा सुजीत खेत में जा रहे थे।

उसी दौरान गांव का एक व्यक्ति ट्रैक्टर लेकर आया और उसने रास्ता रोककर कहा कि वह उनके खेत की जुताई करने जा रहा है और जो वहां आएगा उसे जान से मार देगा।महिला का आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने उनकी जमीन पर कब्जा करने की नियत से जुताई शुरू कर दी। जिसकी उन्होने विडियो भी बनाई है। और पुलिस को घटना की जानकारी दी तो उक्त व्यक्ति जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गया। उसने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है, जिस आधार पर बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जवान बलजिंदर सिंह नागर कुर्बान, पूना के अस्पताल में ली अंतिम सांस

गांव सोहांसड़ा में राजकीय सम्मान के साथ दी अंतिम विदाई, 12 वर्षीय बेटे दुपेश ने मुखाग्नि दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

भारतीय सेना के सग्निल कौर के जवान गांव सोहांसड़ा निवासी बलजद्रिं सिंह नागर देश पर कुर्बान हो गए। शनिवार सुबह तिरंगे में लिपट जब हवलदार बलजिंदर सिंह का पार्थिव शरीर उसके पैतृक गांव सोहांसरा पहुंचा तो गगनभेदी देशभक्ति के नारों से आसमान गूंज उठा। सेना की टुकड़ी और प्रशासन की ओर से पूरे राजकीय सम्मान के साथ सैनिक को अंतिम विदाई दी गई। दरअसल हवलदार बलजिंदर सिंह पीलिया रोग से पीड़ित थे और पूना के आर्मी अस्पताल में उपचाराधीन थे। बता दें कि गांव सोहांसड़ा के बलजिंदर सिंह 17 साल की आयु में वर्ष 2004 में सेना में भर्ती हुए थे। सेना में जाने का जज्बा बलजिंदर सिंह को उनके पिता से मिला। उनके पिता सूबेदार सूरजभान भी भारतीय सेना में सूबेदार के पद से वर्ष 2012 में सेवानिवृत्त हुए थे। यहीं नही सूबेदार सूरजभान का छोटा बेटा सतीश नागर सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है। सैनिक बलजिंदर सिंह वर्तमान में गोवा में सग्निल मौर में हवलदार के पद पर तैनात थे लेकिन पिछले कुछ दिनों से पीलिया रोग से पीड़ित थे। जिसके उपचार के लिए उन्हें आर्मी अस्पताल पूना में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को अस्पताल में सैनिक बलजिंदर सिंह ने अंतिम सांस ली। इसकी सूचना मिलते ही सोहांसड़ा गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

बेटी के सिर से उठा पिता का साया

सैनिक बलजिंदर सिंह के पार्थिव शरीर को उसके 12 वर्षीय बेटे द्रुपेश ने मुखाग्नि दी। सरपंच राजकुमार नागर ने बताया कि बलजनद्रि नागर के पिता सूरजभान भी भारतीय सेना में रहकर देश सेवा कर चुके हैं। वे वर्ष 2012 में सूबेदार के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। इसके अलावा सैनिक बलजिंदर सिंह के छोटे भाई सीआरपीएफ में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। वे अपने पीछे पिता, माता सिंदोखी देवी, पत्नी सोनू, पुत्र द्रुपेश के अलावा बेटी सिमरन को छोड़ गए हैं।

राजकीय सम्मान के साथ विदाई: शनिवार को सोहांसड़ा में हवलदार बलजिंदर सिंह नागर के पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर और हथियार झुकाकर अंतिम विदाई दी। वहीं प्रशासन की ओर से नायब तहसीलदार संजय शर्मा ने पुष्पांजलि दी। इस दौरान सरपंच राजकुमार नागर, थाना प्रभारी मदन कुमार, पूर्व चेयरमैन राजबीर फरटिया, शेखावत, अनिल वशष्ठि, राजसिंह गागड़वास, राजेश डांगी, बलवान सिंह, संतोष शर्मा, मिंटू डेला, विकास सोहांसरा, पहलवान जगदीश, मुकेश नागर सचिव, उमेद मश्रिा, मनीष शेखावत सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने उन्हें अंतिम विदाई।

बैठक कर 18 के रक्तदान शिविर को किया स्थगित, 21 को कांहड़ा में आर्मी टीम के शिविर में करेंगे सहयोग

बाढ़ड़ा। सामाजिक संगठनों के लोगों द्वारा शनिवार को बाढ़ड़ा के सतनाली रोड पर बैठक का आयोजन किया,जिसमें आगामी 18 जुलाई को बाढ़ड़ा अनाज मंडी में प्रस्तावित रक्तदान शिविर को स्थगित करने व 21 जुलाई को गांव कांहड़ा में आर्मी टीम द्वारा लगाए जाने वाले रक्तदान शिविर में सहयोग करने का नर्णिय लिया। बता दें कि राजस्थान के चिड़ावा में झुग्गी झोपड़ियों के बच्चों के लिए शक्षिा की अलग जगाने वाले संगठन सरला की पाठशाला द्वारा बाढ़ड़ा अनाज मंडी में 18 जुलाई को विशाल रक्दतान शिविर आयोजित किया जाना था, लेकिन सामाजिक संगठनों ने आर्मी की टीम द्वारा सेना के जरुरतमंदों जवानों के लिए कांहड़ा में 21 जुलाई को आयोजित रक्तदान शिविर को देखते हुए इसे स्थगित करने का नर्णिय लिया है। बाढ़ड़ा अनाज मंडी में प्रस्तावित रक्तदान शिविर के संयोजक मनोज हंसावास ने कहा कि 18 जुलाई के रक्तदान शिविर को स्थगित कर दिया गया है। कांहड़ा के श्रीराम पब्लिक स्कूल में आर्मी की टीम द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन 21 जुलाई को किया जा रहा है। बैठक के दौरान मनोज हंसावास कलां, साहिल चहल, दीपक सभ्रवाल, युवा जनहित ट्रस्ट उपाध्यक्ष मोहित फोगाट, धमेंद्र, अभिलाष, प्रदीप, प्रवीन बॉक्सर, हिमांशू, अमित बाढ़ड़ा आदि मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

युवा पीढ़ी के बेहतर भवष्यि के लिए जल संरक्षण आवश्यक : डॉ. गोयल

भिवानी। हमें पर्यावरण संरक्षण व जल संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा, तभी युवा पीढ़ी के बेहतर भवष्यि की कामना की जा सकती हैं, ये बात वैश्य महावद्यिालय की एनएसएस इकाई दो द्वारा वन महोत्सव अभियान के तहत चलाए एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने कही। उन्होंने कहा कि पर्यावरण में बहुत तेजी से बदलाव आ रहे है, यह हम सबके लिए चिंता का विषय है जिसे हमें गंभीरता से लेना होगा, तभी हम आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित एवं स्वस्थ रखने की कामना कर सकते हैं। इसके लिए हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे।

वैश्य महावद्यिालय में वन महोत्सव अभियान के तहत एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. संजय गोयल, डीन एकेडमिक डॉ. नरेंद्र सिंह,डीन यूथ अफेयर प्रोफेसर धीरज त्रिखा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशा नेहरा ने कॉलेज में किया। डीन एकेडमिक डॉ. नरेंद्र सिंह ने कहा कि हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर ही पर्यावरण को सुरक्षित रख सकते हैं। इस अवसर पर प्राचार्य ने स्वयंसेवकों को योग्यता प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

नागरिक संबंधित बस स्टैंड से प्राप्त करें हैप्पी कार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

सरकार द्वारा हैप्पी कार्ड योजना चलाई जा रही है। इस योजना के लिए जिसने पहले आवेदन किया हुआ था, वे अपने हैप्पी कार्ड संबंधित भिवानी/तोशाम/लोहारू बस स्टैंड से प्राप्त कर सकते हैं। हरियाणा राज्य परिवहन जिला भिवानी के महाप्रबंधक ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जिन व्यक्तियों के परिवार की सालाना आय परिवार पहचान पत्र में एक लाख रुपए से कम है। वे अपने नजदीकी सीएससी सेंटर से हैप्पी कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिन व्यक्तियों ने पहले ही हैप्पी कार्ड बनवाने के लिए आवेदन किए हुए हैं। उनके हैप्पी कार्ड बस स्टैण्ड भिवानी, तोशाम, लोहारू पर उपलब्ध हैं।

हैप्पी योजना के आवेदक अपना आवेदन करते समय जो मोबाइल नंबर आवेदन में दिया था, उसी मोबाइल पर ओटीपी आने के उपरांत उसे दिखाकर हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। हैप्पी कार्ड प्राप्त करते समय प्रति व्यक्ति को 50 रुपए प्रति हैप्पी कार्ड का शुल्क देना होगा। यदि किसी भी आवेदक का हैप्पी कार्ड के लिए आया हुआ संदेश उसके मोबाइल से डिलीट हो गया है तो वह व्यक्ति भी बस स्टैण्ड, भिवानी/तोशाम / लोहारू पर अपने आवेदन की पंजीकरण संख्या दिखाकर हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकता है। आवेदन करते समय आवेदक ने जिस भी बस स्टैण्ड का नाम आवेदन में दर्ज करवाया है, वह वहां पहुंचकर अपना हैप्पी कार्ड प्राप्त कर सकते हैं।

महिला ने जमीन पर कब्जा करने व धमकी देने के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढ़ड़ा

चांदवास निवासी एक महिला ने गांव के ही एक व्यक्ति पर उसकी जमीन पर जबरदस्ती कब्जा करने व रास्ता रोककर जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए है। उसने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जिसके आधार पर बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने बीती देर रात एक नामजद व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में चांदवास निवासी महिला सलोचना ने बताया कि उसके नाम गांव चांदवास में जमीन है। वह और उसका बेटा सुजीत खेत में जा रहे थे। उसी दौरान गांव का एक व्यक्ति ट्रैक्टर लेकर आया और उसने रास्ता रोककर कहा कि वह उनके खेत की जुताई करने जा रहा है और जो वहां आएगा उसे जान से मार देगा। महिला का आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने उनकी जमीन पर कब्जा करने की नियत से जुताई शुरू कर दी। जिसकी उन्होने विडियो भी बनाई है। और पुलिस को घटना की जानकारी दी तो उक्त व्यक्ति जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गया। उसने पुलिस को शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। जिसके आधार पर बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल्स संघ ने 15 से हड़ताल पर जाने का ऐलान किया

अन्य विभागों से समर्थन जुटाने में लगे कंप्यूटर प्रोफेशनल्स

- क्लर्कल स्टाफ संगठन हरियाणा एवं हरियाणा पटवार संगठन से समर्थन का आश्वासन मिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अपनी विभन्नि मांगों को लेकर भारतीय मजदूर संघ से संबंधित हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ संबंधित 15 जुलाई से हड़ताल पर जाने का ऐलान किया हुआ है। जिसके तहत संघ के पदाधिकारी अन्य विभागों में जाकर कर्मचारी संगठनों से समर्थन जुटा रहे है, ताकि पूरी मजबूती के साथ उनके हकों की आवाज को उठाया जा सकें। इसी कड़ी में क्लर्कल स्टाफ संगठन हरियाणा एवं हरियाणा पटवार संगठन द्वारा हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज संघ को समर्थन का आश्वासन मिला।

पटवार संगठन के जिला प्रधान सुनील कुमार शर्मा एवं क्लर्कल स्टाफ संगठन के अध्यक्ष रवद्रिं पानू द्वारा पुरजोर समर्थन का आश्वासन देते हुए कहा कि कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज पिछले 20-25 वर्षो से सरकारी क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे है। विभन्नि ऑनलाइन सेवाओं में हरियाणा को नंबर वन बनाने में इन कर्मचारियों की अहम भूमिका है। लेकिन इसके बावजूद भी सरकार इन्हे इनके हकों से छीन रही है, जो कि सही नहीं है। रवद्रिं पानू व सुनील शर्मा कहा कि कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज नागरिकों व प्रशासन को जोड़े रखने की अहम कड़ी है। सरकार के हर प्रकार के कार्यो में इन कर्मचारियों का पूर्ण सहयोग रहता है। चाहे वो लोकसभा, विधानसभा या पंचायत इलेक्शन, कोरोना के दौरान की गई ड्यूटियां या किसी भी विभाग में कोई भी डाटा ऑनलाइन करना होता है। ये कर्मचारी दिन-रात मेहनत करते है। हरियाणा कंप्यूटर प्रोफेशनल संघ के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार व जिला महामंत्री गुरदीप सिंह ने कहा कि आज सरकार 256 सेवाएं ऑनलाईन देने के नाम वाहवाही लूट रही है, लेकिन सरकार यह भूल जाती है कि इन सेवाओं को सुचारू रूप से चलाने में कंप्यूटर प्रोफेशनल्ज का मुख्य योगदान है। उन्होंने कहा कि यदि वे अनश्चितिकालीन हड़ताल पर जाते है तो 256 ऑनलाई सेवाएं बाधित होती है, जिसके चलते लोगों को परेशानी होगी। ऐसे में सरकार यदि आम नागरिकों को परेशानी से बचाना चाहती है तो उनकी डीआईटीएस का केंद्रीयकरण करते हुए बजट का प्रावधान, कर्मचारियों के पद सर्जित, नियमतिकरण की पॉलिसी में डीआईटीएस के आधीन कार्यरत्त कर्मचारियों को शामिल करते हुए नियमित किए जाने तथा तब तक 58 वर्ष की सेवा सुरक्षा दिए जाने, हरियाणा कौशल रोजगार निगम में भेजे गए। सभी डीआईटीएस कर्मचारियों को डीआईटीएस में शामिल किए जाने, समान काम-समान वेतन, डीआरडीए रेडक्रॉस के समकक्ष डीआईटीएस के आधीन कार्यरत्त कर्मचारियों को लाभ प्रदान करने की मांग की।

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 14 जुलाई 2024

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

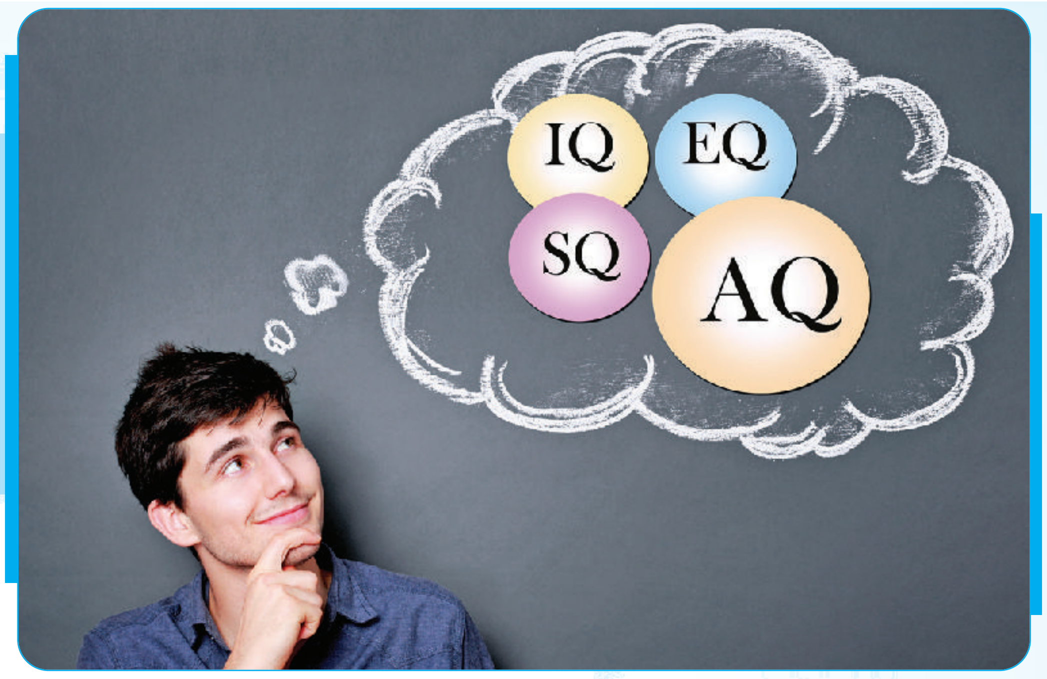

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

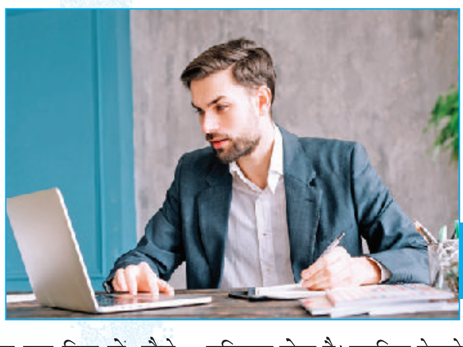

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है। सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाईयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का माद्दा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

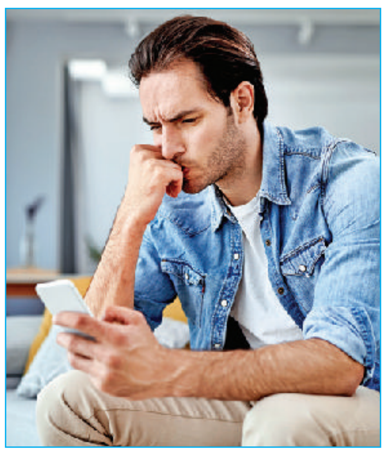

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशान: आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंस: क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है। असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून से: आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशान: 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

नहीं होता जहां कुछ भी खयाले-खाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

करुणा का बीज

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टू' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।

माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुषा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपक्कुलम नदी में चंगनास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

मनी मैटर्स
शैलेंद्र सिंह

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब हमें आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

गुड क्रेडिट स्कोर के फायदे: बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोर: भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोर: अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पोंप डोर

मेल जोन / विवेक कुमार

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अट्रैक्टिव अंडरकट: पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

क्लासिक क्विफ: यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

क्लासिक पोंप डोर: यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

क्रू कट: पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

आर्मी कट: आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

बॉलीवुड फिल्में
डी.जे.नंदन

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

कल्कि 2998 एडी

फाइटर

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

जनवरी: 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

फरवरी: साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

मार्च: अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तर: द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

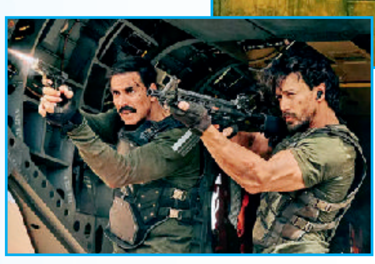

बड़े मियां-छोटे मियां

अप्रैल: अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

मैदान

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

मई: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावी: ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी' भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

जून: जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *